मातम मुजावर मोहल्ले के इतिहास में पहली बार कांपते कंधों पर एक साथ उठे तीन जनाजे, सूपाताल की खामोश जमीन में एक साथ सुपुर्द-ए-खाक

लापरवाही से बुझे 3 घरों के चिराग,शवों से लिपट बिलखते रहे परिजन

जहां गूंजते थे ठहाके वहां सिर्फ चीखें, सिसकियां थीं

जिगरी यारों को मौत भी जुदा नहीं कर सकी

नवभारत, जबलपुर। तिलवारा थाना अंतर्गत घाना में स्थित दद्दा घाट पर शनिवार दोपहर तीन जिगरी दोस्तों की डूबने से हुई मौत की हृदयविदारक घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। गढ़ा थाना अंतर्गत मुजावर मोहल्ले की जिन गलियों में कल तक इन तीन दोस्तों के ठहाके गूंजते थे, आज वहां सिर्फ चीखें और सिसकियां थीं। रविवार को दोपहर बाद जब पोस्टमार्टम के बाद तीनों दोस्तों के शव एक साथ उनके घर पहुंचे, तो परिजनों का कलेजा फट गया। माता-पिता अपने लाडलों के बेजान जिस्म से लिपटकर रोते बिलखते रहें। परिजनों की आंखें पथरा चुकी थीं। इलाके में ऐसा मातम था कि सांत्वना देने आए हर शख्स की आंख से आंसू बह रहे थे। हालांकि जिंदगी में साए की तरह साथ रहने वाले इन दोस्तों को मौत भी जुदा नहीं कर पाई है। मुजावर मोहल्ले के इतिहास में शायद यह पहली बार था जब तीन सगे दोस्तों के जनाजे एक साथ उठे। नम आंखों और भारी दिलों से तीनों को आखिरी विदाई दी। हर तरफ सिर्फ और सिर्फ मातम था। सूपाताल कब्रिस्तान में एक ही समय पर तीनों के लिए कब्रें खोदी गईं। तीनों गहरे दोस्तों को बिल्कुल अगल-बगल सुपुर्द-ए-खाक किया गया। वे इस दुनिया से चले गए, लेकिन जाते-जाते दुनिया को सिखा गए कि दोस्ती सिर्फ लफ्जों में नहीं, बल्कि आखिरी सांस तक निभाई जाती है। अब सूपाताल की खामोश जमीन में तीनों यार हमेशा के लिए एक-दूसरे के पास सो चुके हैं। हादसे को लेकर परिजनों का आरोप है कि प्रशासन की घोर लापरवाही ने तीनों की जान ली है। इस हादसे ने न केवल हंसते-खेलते परिवारों को उजाड़ दिया, बल्कि संवेदनशीलता पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। परिजनों ने प्रशासन की की अनदेखी और मौके पर मौजूद नाविकों की अमानवीयता को इस हादसे का जिम्मेदार ठहराया है। रोते बिलखते परिजनों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि पानी की गहराई का अंदाजा न होने से तीन दोस्तों की डूबने से मौत हुई है दोस्तों की गुहार पर नाविकों ने बिना पैसे लिए बचाने से साफ इनकार कर दिया था। खतरनाक घाट पर कोई भी चेतावनी या सुरक्षा बोर्ड नहीं लगा था। तीन घरों के चिराग जिम्मेदारों की लापरवाही से बुझे है।

आठ यार गए थे, साहिल गहरे पानी में गया, मोइन, शकील ने बचाने आगे बढ़ाए थे हाथ

गढ़ा थाना अंतर्गत मुजावर मुहल्ला, सूपाताल के रहने वाले शेख साहिल पिता शेख करीम (19), मोइन खान पिता मो. शकील खान (16), शेख आशिक पिता शेख हलीम खान (15) ने अपने पांच अन्य दोस्तों के साथ घूमने की योजना बनाई थी। शनिवार दोपहर वे बाइकों से नर्मदा नदी के दद्दा घाट पर नहाने पहुंचे थे। घाट पर जो कुछ भी हुआ, वह रूह को कँपा देने वाला रहा। आठों दोस्त पानी में खुश थे, तभी अचानक साहिल का पैर गहरे गड्ढे में फिसल गया। वह डूबने लगा और जिंदगी के लिए छटपटाने लगा। अपने जिगरी यार को मौत के मुंह में जाते देख मोइन, आशिक दोनों दोस्तों ने एक सेकंड भी नहीं सोचा। उन्होंने अपनी जान दांव पर लगा दी और उसे बचाने के लिए हाथ आगे बढ़ा दिए। अफसोस, पानी का बहाव और मौत का वो कालचक्र बहुत मजबूत था। एक-दूसरे को खींचने, बचाने और जिंदगी की तरफ लाने की इस जंग में तीनों दोस्त एक साथ गहरे पानी में समा गए थे। डेढ़ घंटे रेस्क्यू के बाद तीनों के शवों को बाहर निकाला गया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और शाम करीब पांच बजे पोस्टमार्टम के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की मर्चुरी में शिफ्ट कर दिया था रविवार सुबह तीनों का पीएम हुआ। दोपहर 12 बजे परिजनों को शवों को सुपुर्द किया गया था।

डूबते बच्चों को बचाने के बदले मांगे पैसे

शेख हलीम खान ने रुंधे गले से बताया कि उनका बेटा शेख आशिक अपने सात दोस्तों के साथ नहाने गया था। नदी के बीच में एक बड़ा और गहरा गड्ढा था। बच्चों को लगा कि वहां पानी कम है और वे बेफिक्र होकर नहाने लगे। जैसे ही बच्चे थोड़ा आगे बढ़े, वे गहरे पानी के तेज भंवर में फंस गए। तीन पानी में समाने लगे। जब उनके बाकी दोस्तों ने चीख-पुकार मचाई। उन्होंने पास ही मौजूद स्थानीय नाविकों से दोस्तों को बाहर निकालने बोला था लेकिन नाविकों का दिल नहीं पसीजा। संकट की उस घड़ी में भी वे इंसानियत भूलकर पैसों की सौदेबाजी करने लगे थे। बच्चों ने नाविकों के आगे हाथ जोड़े, कहा, हमारे पास अभी पैसे नहीं हैं, प्लीज पहले हमारे दोस्तों को निकाल दीजिए। इसके बावजूद नाविक टस से मस नहीं हुए और बच्चों को डूबने के लिए छोड़ दिया। अगर उन्हें समय पर बाहर निकाल दिया जाता, तो वे शायद आज जिंदा होते। शेख हलीम खान के अनुसार, खतरनाक और गहरे पानी वाले स्थान पर प्रशासन ने सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं किया था। वहां कोई भी चेतावनी या सुरक्षा बोर्ड नहीं लगाया गया था जिससे बच्चों को खतरे का आभास हो पाता।

प्रशासन की अनदेखी, नहीं था कोई सुरक्षा बोर्ड

मोहसिन अली ने बताया कि यह हादसा बेहद दर्दनाक है। तीनों बच्चे यहाँ किराए के मकान में रहते थे और छोटी-मोटी नौकरियां करके जो भी तनख्वाह मिलती थी, उससे अपने परिवार का पेट पाल रहे थे। उन्होंने रुंधे गले से कहा, आज इस हंसते-खेलते परिवार के तीनों चिराग हमेशा के लिए बुझ गए। घाट पर गहरे-गहरे गड्ढे हो चुके थे, इसके बावजूद जिम्मेदार प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से वहाँ कोई भी सूचना पटल, चेतावनी बोर्ड या डेंजर जोन का साइन नहीं लगाया था। गहराई और गड्ढों का अंदाजा नहीं होने से तीनों समा गए। इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी अब तक न तो जनप्रतिनिधि ने सुध ली है और न ही कलेक्टर या एसपी पीड़ित परिवार ढांढस बंधाने पहुँचे हैं। यहाँ तक कि गरीब परिवार को अब तक कोई फौरी सहायता राशि भी मुहैया नहीं कराई गई है। इस दर्दनाक हादसे से सबक लेते हुए मोहसिन अली ने अपील की है अभिभावक अपने बच्चों पर पूरी निगरानी रखें कि वे बिना बताए या झूठ बोलकर कहाँ जा रहे हैं। बच्चों को ऐसी खतरनाक जगहों पर जाने से सख्ती से रोकें। एक छोटी सी लापरवाही पूरे परिवार का सहारा छीन सकती है।

फेसबुक पर दोस्ती, लूटी अस्मत, मुंबई में धर्म परिवर्तन और 5 लाख में बेचा

नवभारत, जबलपुर। एक युवती ने युवक पर धर्म छिपाकर फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाकर दोस्ती करने, वर्षों तक शारीरिक शोषण कर मुंबई ले जाकर जबरन धर्म परिवर्तन कराने और फिर 5 लाख में बेच देने का आरोप लगाया है। इस मामले में हिन्दू धर्म सेना के पदाधिकारियों के साथ पीड़िता ने आज घमापुर थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है और आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।

घमापुर थाना प्रभारी को सौंपे गई शिकायती में कांचघर निवासी पीड़िता ने बताया कि नवंबर 2022 में फेसबुक के माध्यम से उसकी दोस्ती अंकित नाम के एक युवक से हुई थी। बाद में उसे पता चला कि उक्त युवक का असली नाम नेक खान है। आरोप है कि आरोपी ने अपनी असली धार्मिक पहचान छिपाकर और शादी का झांसा देकर पिछले लगभग 5 वर्षों से उसका लगातार शारीरिक और मानसिक शोषण किया। पीड़िता का आरोप है कि जून 2026 में आरोपी नेक अली खान उसे बहला-फुसलाकर महाराष्ट्र मुंबई ले गया। वहां एक स्थानीय मौलवी की उपस्थिति में उसका डरा-धमकाकर जबरन मजहब तब्दील कराया गया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि नेक अली खान ने अपने पिता शौकत शान और एक अन्य महिला रुकसाना बानो के साथ मिलकर उसे मुंबई के अमरनाथ होटल में 5 लाख की मोटी रकम के बदले बेच दिया। युवती का कहना है कि होटल में उसे बंधक बनाकर रखा गया था, जहां कई दिनों तक उसे दिन-रात प्रताड़ना दी गई। युवती ने बताया कि वह किसी तरह आरोपियों के चंगुल से अपनी जान बचाकर भागने में सफल रही और 23 जून को वापस जबलपुर लौटी। डरी-सहमी पीड़िता ने इसके बाद हिन्दू धर्म सेना से संपर्क किया। रविवार को हिन्दू धर्म सेना के प्रदेश अध्यक्ष नीरज राजपूत के नेतृत्व में पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

नाले में गिरने से युवक की मौत

शराब के नशे में था मृतक ऑपरेनश के बाद भी नहीं छोड़ी लत

नवभारत, जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत मड़ई में रविवार को शराब के नशे में धुत्त युवक की व्हीकल स्टेट के एक गहरे और सूखे नाले में गिरने से मौत हो गई। मृतक पूर्व में गंभीर बीमारी से जूझ चुका था और नागपुर में उसका ऑपरेशन भी हुआ था, इसके बावजूद उसने शराब पीना नहीं छोड़ा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुग्ध संघ सहकारी समिति करौंदा बायपास में कार्यरत सरोज केवट (58) निवासी मड़ई ने पुलिस को बताया कि रविवार सुबह करीब 10:30 बजे उनके बेटे प्रवीण उर्फ पम्मी केवट (33) के हाथ से अचानक मोबाइल गिर गया था। इस पर उन्होंने बेटे को थोड़ा डांट दिया था। माँ की डांट से नाराज होकर प्रवीण नहाया, घर में पानी भरा और बिना खाना खाए ही गुस्से में बाहर रोड की तरफ चला गया। मकान मालिक की बेटी मेडिकल अस्पताल में भर्ती थी जिसे देखने के लिए सरोज केवट घर से निकली थीं। वह जैसे ही तीन पत्ती चौक के पास पहुँचीं, तभी मकान मालिक की बेटी ने उन्हें फोन कर बताया कि पम्मी भैया दौलत किराना के सामने नाले में पड़े हुए हैं। सरोज तुरंत मौके पर पहुँचीं, जहाँ व्हीकल स्टेट के सूखे और गहरे नाले में उनके बेटे प्रवीण का शव पड़ा हुआ था। नाले के आस-पास दुकान लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं ने बताया कि प्रवीण काफी देर से अत्यधिक शराब पीकर नाले के किनारे ही लेटा हुआ था। उसने वहां मौजूद लोगों से पीने के लिए पानी मांगा था, जिस पर दुकानदारों ने उसे पानी भी पिलाया था। लेकिन अत्यधिक नशे में होने के कारण वह कब अनियंत्रित होकर गहरे नाले में गिर गया, यह कोई देख नहीं पाया। परिजनों ने बताया कि प्रवीण को बेहद खतरनाक स्तर पर शराब पीने की लत थी। इसी आदत के चलते वर्ष 2016 में उसकी पत्नी उसे छोड़कर हमेशा के लिए अपने मायके चली गई थी। कोरोना काल के दौरान अत्यधिक शराब के सेवन से प्रवीण के पेट की आंतें पूरी तरह खराब हो गई थीं, जिसके इलाज के लिए उसे नागपुर ले जाया गया था, जहाँ उसका एक बड़ा ऑपरेशन हुआ था। डॉक्टरों की सख्त मनाही के बाद भी उसने शराब पीना बंद नहीं किया था और दिनभर नशे में यहाँ-वहाँ घूमता रहता था।

मुख्य आरोपी फरार चेले गिरफ्तार

नवभारत, जबलपुर। गोरखपुर थाना अंतर्गत रतन कॉलोनी स्थित शराब ठेकेदार आशीष शिवहरे के दफ्तर में हुई बमबाजी का मुख्य आरोपी फरार हो गया है। हालांकि पुलिस ने उसके दो चेलो को दबोच लिया है जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि मुख्य आरोपी अरमान निवासी दीनदयाल निवासी के कहने पर वारदात हुई थी। जिसके पकड़े जाने के बाद मामले में नए खुलासे हो सकते है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। विदित हो कि मनोज शर्मा 53 वर्ष निवासी कृपाल चौक गुप्तेश्वर थाना गढा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह शराब ठेकेदार आशीष शिवहरे का व्यवसायिक पार्टनर है। कार्यालय रतन कालोनी गोरखपुर में है। शुक्रवार रात्रि वह कार्यालय में रुका हुआ था, रात लगभग 2 बजे बिना नंबर की स्कूटी में आर्यन चौधरी तथा अरमान अपने नाबालिग साथी के साथ आए थे। जिन्होंने आफिस के सामने बम फेंके थे। तीनों आपराधि प्रवृत्ति के है। बमबाजी के बाद तीनों बिना नबंर की स्कूटी से दुर्गा मंदिर की ओर भाग गए थे। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आर्यन चौधरी और एक नाबालिग को दबोच लिया है जबकि अरमान फरार है। जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

रविन्द्र नगर में बैंक अफसर के सूने मकान में लाखों की चोरी

नवभारत, जबलपुर। अधारताल थाना अंतर्गत रविन्द्र नगर में शातिर चोरों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के एक सीनियर एसोसिएट के सूने मकान को निशाना बनाया। चोरों ने न सिर्फ अलमारी में रखे लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ किया, बल्कि पकड़े जाने के डर से घर में लगा वाईफाई सीसीटीवी कैमरा भी उखाड़कर अपने साथ ले गए। वारदात के वक्त पीड़ित अपनी बीमार मां को लेकर अस्पताल गए हुए थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविन्द्र नगर जेडीए पंप हाउस के सामने निवासी अंकुर तिवारी (38) अधारताल स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में सीनियर एसोसिएट के पद पर पदस्थ हैं। उनके पिता बीते 18 जून से घर से बाहर थे। इसी बीच, 27 जून की रात लगभग 10 बजे अंकुर की मां की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद वे उन्हें इलाज के लिए संजीवनीनगर स्थित अस्पताल ले गए थे। घर पूरी तरह सूना था। घटना के संबंध में पीड़ित अंकुर तिवारी ने बताया कि जब वे अगली सुबह रविवार को घर वापस लौटे, तो मुख्य गेट पर ताला लगा हुआ था। लेकिन जैसे ही वे भीतर पहुंचे, अंदर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। कमरे का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। आलमारी का सारा सामान फर्श पर बिखरा पड़ा था और जेवरातों के डिब्बे खाली पड़े थे।

मोबाइल पर फुटेज देखी, सुबह 4:30 बजे घुसा था चोर

अंकुर के घर पर वाईफाई सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था, जो सीधे उनके मोबाइल फोन से कनेक्टेड था। वारदात का पता चलते ही जब उन्होंने अपने मोबाइल पर कैमरे की बैकअप फुटेज चेक की, तो उसमें सुबह करीब 4.30 बजे एक अज्ञात नकाबपोश चोर घर के भीतर दाखिल होता दिखाई दिया। शातिर चोर ने चोरी करने के बाद पहचान छुपाने और सबूत मिटाने के लिए दीवार पर लगा कैमरा भी उखाड़ लिया और फरार हो गया। चोर सोने, चांदी के जेवर, टाइटन कंपनी की 4 कलाई घड़ियां और घर में लगा वाईफाई सीसीटीवी कैमरा, अलमारी में रखी नगदी ले गए।

कई राज्यों में फैला था ठगी का जाल,युवक गिरफ्तार

साइबर फ्रॉड :10 एटीएम कार्ड, नगद जब्त

नवभारत, जबलपुर। बेलबाग पुलिस ने एक ऐसे शातिर साइबर अपराधी को दबोचा है, जो बिना नंबर की स्कूटी पर घूमकर कई राज्यों में ठगी का जाल फैला रहा था। बेलबाग पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान न्यू कंचनपुर निवासी 31 वर्षीय सौरभ कुमार रजक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 10 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड, 20,000 नगद और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है, जिसके व्हाट्सएप चैट ने देशव्यापी साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़ कर दिया।

जानकारी अनुसार बेलबाग थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटकर के नेतृत्व में पुलिस टीम बेलबाग तिराहे पर रूटीन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मेहरून रंग की बिना नंबर की एक्सिस स्कूटी पर आ रहे सौरभ को संदिग्ध जानकर रोका गया। जब पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो उसकी जेब से एसबीआई, इंडियन ओवरसीज बैंक, यूनियन बैंक, आईडीबीआई

और बैंक ऑफ इंडिया सहित 10 अलग-अलग बैंकों के एटीएम कार्ड बरामद हुए।

रोहित देता था कार्ड, नितिन को डेटा सप्लाई

इतनी बड़ी संख्या में दूसरों के नाम के एटीएम देखकर पुलिस का माथा ठनका। कड़ाई से पूछताछ में आरोपी सौरभ ने खुलासा किया। गोरखपुर का रहने वाला रोहित नाम का एक शख्स हर दिन सौरभ को बदल-बदल कर 5 से 10 नए एटीएम कार्ड लाकर देता था। सौरभ इन खातों और एटीएम की पूरी जानकारी व्हाट्सएप पर नितिन 3333 नाम के एक अज्ञात हैंडलर को भेजता था। जब पुलिस ने सौरभ का मोबाइल खंगाला, तो उसमें सैकड़ों बारकोड, आम लोगों के पैन कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खातों की डिटेल, सीक्रेट लॉगिन आईडी, पासवर्ड और पासबुक की तस्वीरें मिलीं।

कैश डिपॉजिट मशीन का खेल

गिरोह के इशारे पर सौरभ अलग-अलग फर्जी खातों में कैश डिपॉजिट मशीन के जरिए पैसे जमा करता था। गिरफ्तारी के वक्त बरामद 20,000 भी वह मशीन से ही ठिकाने लगाने जा रहा था।

तीन राज्यों की पुलिस को थी तलाश

यह गिरोह लोगों को बहला-फुसलाकर या फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि जिन बैंक खातों का इस्तेमाल यह गिरोह कर रहा था, उनके खिलाफ पहले से ही तीन राज्यों में गंभीर शिकायतें दर्ज हैं। गुजरात अहमदाबाद सिटी साइबर पुलिस स्टेशन, राजस्थान चित्तौड़गढ़ साइबर पुलिस, उत्तर प्रदेश मुजफ्फरपुर में भी इन खातों के जरिए ठगी की शिकायतें पाई गई हैं। बेलबाग पुलिस ने मुख्य आरोपी सौरभ रजक, सह-आरोपी रोहित निवासी गोरखपुर और व्हाट्सएप हैंडलर नितिन 3333 के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज कर लिया है। सौरभ को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है।

कबाड़ खाने से 340 क्विंटल बिजली तार बरामद

जबलपुर. बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में बिजली विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कबाड़ खाने से करीब 340 क्विंटल चोरी का बिजली तार बरामद किया है. प्रारंभिक जांच के बाद कबाड़खाना संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है. मामले में पुलिस चोरी के तारों के स्रोत और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है.

जानकारी के अनुसार बिजली विभाग को क्षेत्र में बड़ी मात्रा में चोरी के बिजली तार कबाड़ में बेचे जाने की सूचना मिली थी. सूचना के आधार पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने बेलखेड़ा थाना पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए मस्जिद के पीछे संचालित एक कबाड़खाने पर छापा मारा. जांच के दौरान वहां अलग-अलग प्रकार के बिजली के तार बड़ी मात्रा में मिले. जांच और सत्यापन के बाद करीब 340 क्विंटल तार चोरी का होना पाया गया, जिसे तत्काल जब्त कर लिया गया.

संयुक्त टीम ने मौके से कबाड़खाना संचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि चोरी के तार किन क्षेत्रों से लाए गए थे और इस पूरे नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं.